

CORDOVA® App 24X7
For Teachers Only



For Teachers Only

सुगम हिंदी

व्याकरण

उ ऊ ऋ ॠ अ

संज्ञा

संज्ञा

संज्ञा

कारक

लिङ्ग

वचन

सर्वनाम

विशेषण

क्रिया

काल

2

CORDOVA®



विषय-सूची (Contents)



विषय		पृष्ठ संख्या
1. भाषा	(Language)	5
2. वर्ण, वर्णमाला	(The Alphabet)	11
3. मात्राएँ	(Signs of Vowels)	16
4. शब्द और वाक्य	(Words and Sentences)	18
5. संज्ञा	(Noun)	21
6. लिंग	(Gender)	25
7. वचन	(Number)	30
8. सर्वनाम	(Pronoun)	34
9. विशेषण	(Adjective)	38
10. क्रिया	(Verb)	41
विशेष गतिविधि (खेल-खेल में)	(Fun Activity)	46
11. विलोम शब्द	(Antonyms)	48
12. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	(One Word Substitution)	51
13. समान अर्थ वाले शब्द	(Synonyms)	54
14. गिनती	(Counting)	57
15. दिन और महीने	(Days and Months)	60
16. कहानी-लेखन	(Story Writing)	64
17. निबंध-लेखन	(Essay Writing)	68
18. चित्र-वर्णन	(Picture Description)	70
19. बातचीत	(Conversation)	72



देखिए, पढ़िए और समझिए-

तुम्हारा नाम
क्या है?

मेरा नाम
राहुल है।

मेरा नाम माही है।
तुम कहाँ रहते हो?

मैं सामने वाले
घर में रहता हूँ।

आओ, हम दोनों मिलकर
खेलते हैं।

चलो, आज
खूब मज़ा आएगा।

आपने राहुल और माही की बातचीत पढ़ी और ध्यान दिया कि वे एक-दूसरे की बात सुनकर समझकर जवाब दे रहे हैं।

राहुल और माही की बातचीत को पढ़कर आप जान गए होंगे कि भाषा के द्वारा ही हम अपनी बात दूसरों तक पहुँचा सकते हैं और दूसरों की बात सुनकर समझ सकते हैं।

हमारे जीवन में बोलना बहुत ज़रूरी है। अगर हम बोल नहीं पाते तो हमारे पास भाषा नहीं होती और भाषा नहीं होती तो हमारे साथ क्या होता!
ज़रा ध्यान से देखिए—



इस चित्र में छोटा-सा बच्चा अपनी माँ से कुछ कहना चाह रहा है, लेकिन वह अभी बहुत छोटा है, इसलिए बोल नहीं पा रहा है।

रूपा चिड़िया की चीं-चीं को समझने की कोशिश कर रही है, लेकिन रूपा चिड़िया की चीं-चीं को समझ नहीं पा रही है।

आपने ध्यान दिया कि बच्चा बोल नहीं पा रहा है, इसलिए अपनी माँ को समझा भी नहीं पा रहा है। इसी तरह चिड़िया भी बोल नहीं पा रही है और रूपा चिड़िया की चीं-चीं को समझ नहीं पा रही है। इसका मतलब अगर भाषा नहीं होती, तो हम एक-दूसरे से बातें नहीं कर पाते।

हम भाषा की मदद से ही अपनी बातों को एक-दूसरे तक पहुँचाते हैं, समझते और समझाते हैं।

भाषा के रूप

हम दो तरह से अपनी बात एक-दूसरे से कह सकते हैं— बोलकर और लिखकर। नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए, फिर हमें बताइए कि चित्रों में क्या-क्या हो रहा है?

इस चित्र में दादी जी कहानी सुना रही हैं और बच्चे कहानी सुनकर समझ रहे हैं। जब हम बोलते हैं और दूसरा सुनता है, उसे मौखिक भाषा कहते हैं।



इस चित्र में नीलू अपनी कॉपी पर जानवरों के नाम लिख रही है और उसकी दोस्त उसे पढ़कर समझ रही है। जब हम लिखते हैं और दूसरा पढ़कर समझता है, उसे लिखित भाषा कहते हैं।



क्या आप जानते हैं कि संसार के सारे जीव-जंतु आपस में बातें करते हैं। उनकी एक बोली होती है, जिसे वही आपस में समझते हैं। बस हम समझ नहीं पाते।

जीव-जंतुओं की बोलियाँ



बिल्ली
म्याऊँ-म्याऊँ



कौआ
काँव-काँव



मेढक

टर्-टर्



कुत्ता

भों-भों



चूहा

चूँ-चूँ



तौता

टॉय-टॉय



बकरी

मैं-मैं...ऽ...ऽ



चिड़िया

चीं-चीं

लिखने पढ़ने में जो आए, आपकी भाषा वो कहलाए।



आओ दोहराएँ पाठ

कौशल-पठन (उच्चारण, अबोध-भाषण)

- ❏ भाषा की मदद से ही मन की बातों को दूसरों तक पहुँचा सकते हैं और दूसरों की बातों को समझ सकते हैं।
- ❏ भाषा के दो रूप होते हैं— (क) मौखिक रूप (ख) लिखित रूप
- ❏ जीव-जंतुओं की भी बोलियाँ होती हैं।

अभ्यास



मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. चिड़िया की 'चीं-चीं', चूहे की 'चूँ-चूँ' इसी तरह अनेक जानवरों की बोली को आप क्यों नहीं समझ पाते हैं? बताइए।
2. आपकी मम्मी ने आपकी किताब पर आपका नाम लिखा। यह भाषा का कौन-सा रूप है?

1. नीचे गंतुओं का इनकी आवाजों से मिलान कीजिए-



बिल्ली

धों-धों

बकरी



प्याऊँ-प्याऊँ



कुत्ता

चीं-चीं

मेंढक



चूँ-चूँ

में-में...ऽ...ऽ

चिड़िया



चूहा

टरं-टरं

2. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए-

(क) जब हम बोलते हैं तो दूसरा-
देखता है सुनता है

(ख) जब हम लिखते हैं तो दूसरा-
सुनता है पढ़ता है

(ग) जो बोल नहीं पाता वो अपनी बातें कहता है-
इशारे से बोलकर

3. जो अच्छे बच्चे होते हैं वे हमेशा कैसे बोलते हैं?

सच

शुठ

शुल्कपरक प्रश्न



1. नीचे भाषा के मौखिक और लिखित रूप के चित्र दिए गए हैं। आप मिलान करके बताइए कि कौन-सा मौखिक रूप और लिखित रूप है-



मौखिक रूप



लिखित रूप



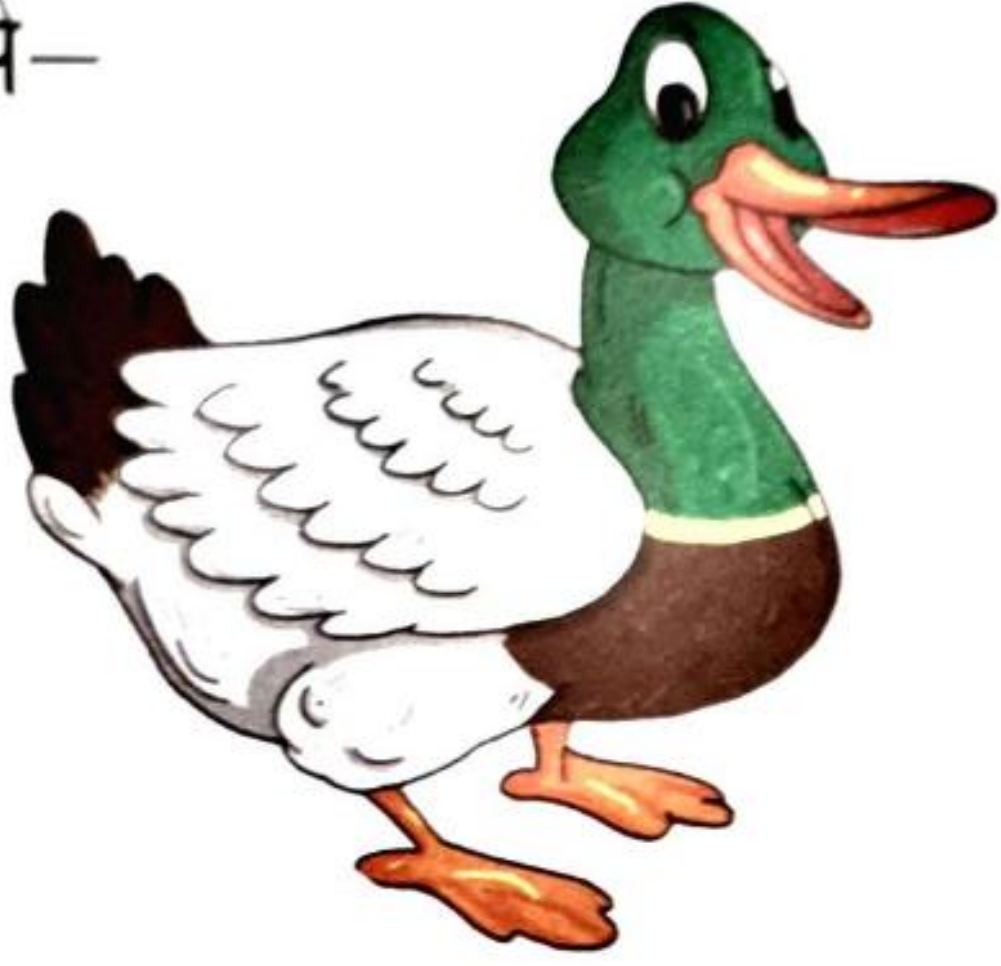
2. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर उसके बारे में कुछ वाक्य बोलिए-





वर्ण, वर्णमाला (The Alphabet)

हम कुछ भी बोलते हैं तो हमारे मुख (मुँह) से कुछ ध्वनियाँ निकलती हैं और ये ध्वनियाँ कुछ अर्थ (मतलब) रखती हैं और दूसरे व्यक्ति को हमारी बात आसानी से समझ में आ जाती है; जैसे—



‘बतख’ शब्द की ध्वनि है—

ब् + अ + त् + अ + ख् + अ

‘गमला’ शब्द की ध्वनि है—

ग् + अ + म् + अ + ल् + आ



इन ध्वनियों को हम और छोटा नहीं कर सकते हैं। ध्वनियों के लिखे जाने वाले रूप **वर्ण** या **अक्षर** कहलाते हैं।

ध्वनि भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है।

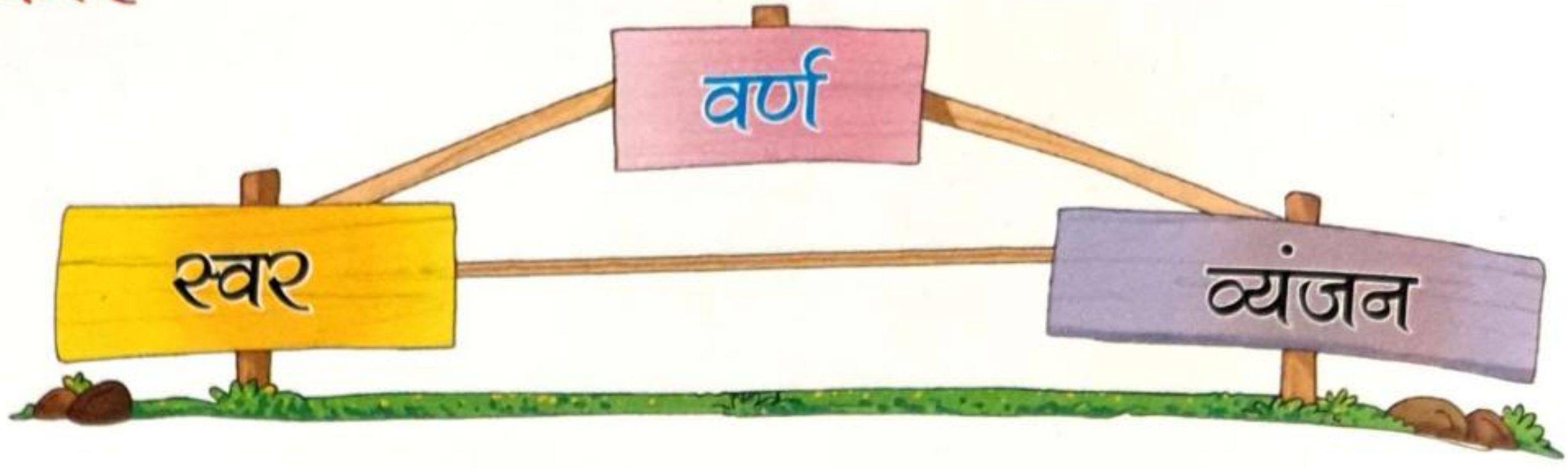
वर्णमाला

वर्णों के एक निश्चित क्रम को **वर्णमाला** कहते हैं।

जब फूल अलग-अलग होते हैं, तो वे केवल फूल होते हैं। लेकिन जब हम उन्हीं फूलों को एक धागे में पिरो देते हैं, तो वही फूल माला के रूप में बदल जाते हैं। ठीक इसी तरह वर्णों को एक क्रम में लगा देने से वे वर्णमाला (वर्णों की माला) बन जाते हैं।



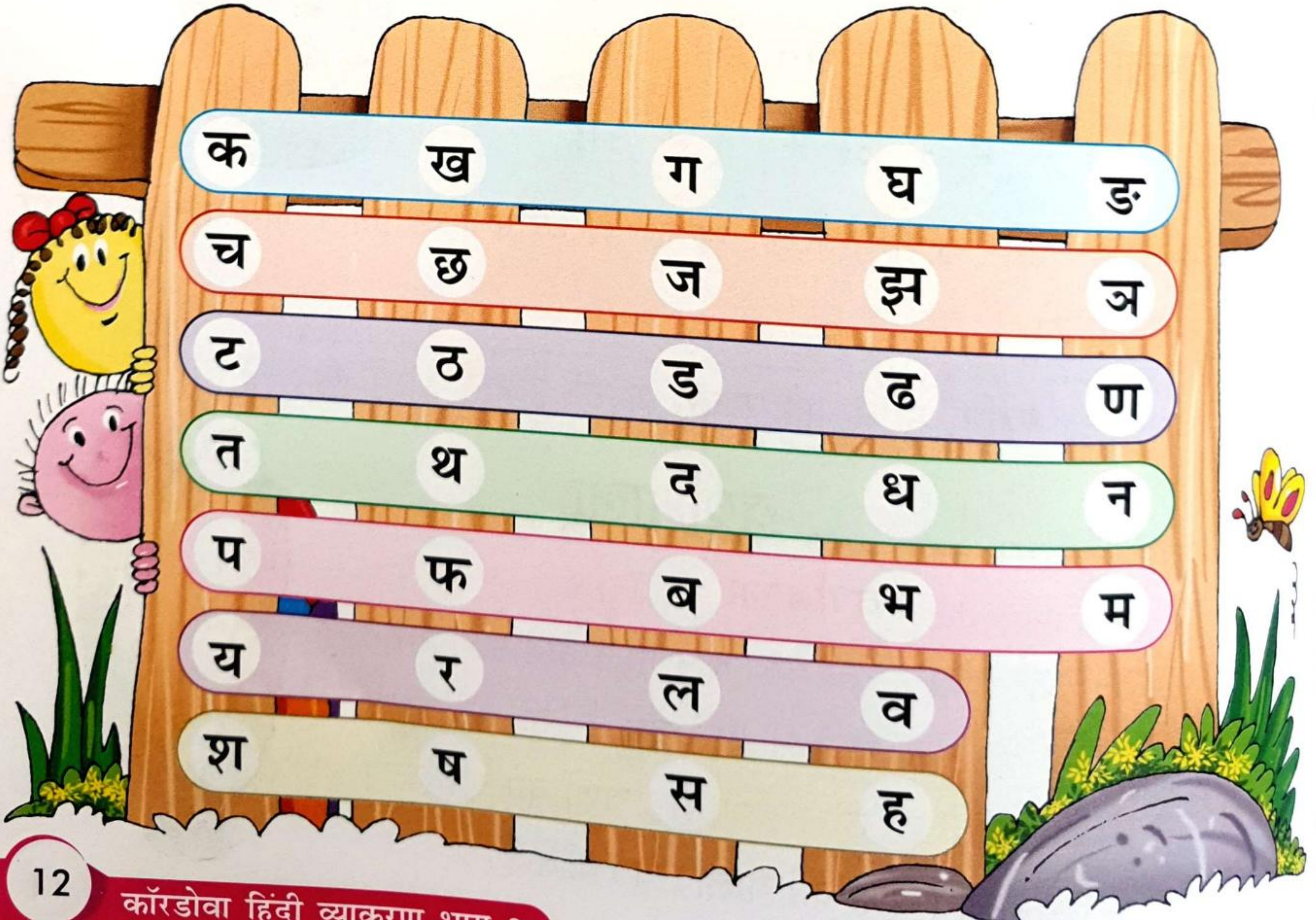
वर्ण के प्रकार- वर्ण दो तरह के होते हैं-



स्वर- हिंदी में ग्यारह (11) स्वर होते हैं-



व्यंजन- हिंदी में तैंतीस (33) व्यंजन होते हैं-



इनके अलावा भी हिंदी भाषा में कुछ वर्ण होते हैं—

संयुक्त व्यंजन— 'क्ष, त्र, ज्ञ, श्र' ये चार वर्ण संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।

इ, ढ — इन वर्णों से किसी भी शब्द की शुरुआत नहीं होती है; जैसे— सड़क, पढ़ना आदि।

अं, अः — ये अयोगवाह कहलाते हैं।



श्रीश्री
पाठ दोहराएँ

कौशल-पठन (उच्चारण, अभोध-भाषण)

- ❑ कुछ भी बोलते समय मुँह से ध्वनियाँ निकलती हैं।
- ❑ वर्ण के टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।
- ❑ वर्णों के निश्चित क्रम को वर्णमाला कहते हैं।
- ❑ वर्ण दो तरह के होते हैं— स्वर और व्यंजन।
- ❑ हिंदी में ग्यारह स्वर और तैंतीस व्यंजन होते हैं।

अभ्यास



मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. मोतियों से मोती की माला बनती है और वर्णमाला किससे बनती है?
2. कमल शब्द का 'क' स्वर है या व्यंजन?



लिखित

कौशल-लेखन (व्याकरण, शब्दावली, लिखावट)

1. सही उत्तर में ✓ निशान लगाइए और उसी शब्द से खाली जगह भरिए—

(क) बोलते समय हमारे मुख से कुछ निकलती हैं।

शब्द ध्वनियाँ वाक्य

(ख) के टुकड़े नहीं किए जा सकते।

शब्द वर्ण वाक्य

(ग) स्वर होते हैं।

11 ○

33 ○

20 ○

(घ) व्यंजन होते हैं।

6 ○

11 ○

33 ○

2. चित्रों को ध्यान से देखिए और पहला वर्ण (अक्षर) बदलकर नए शब्द बनाइए-



जोड़ा

घोड़ा



साथी

.....



शोर

.....



खिड़की

.....



सस्ता

.....



हरी

.....



हल

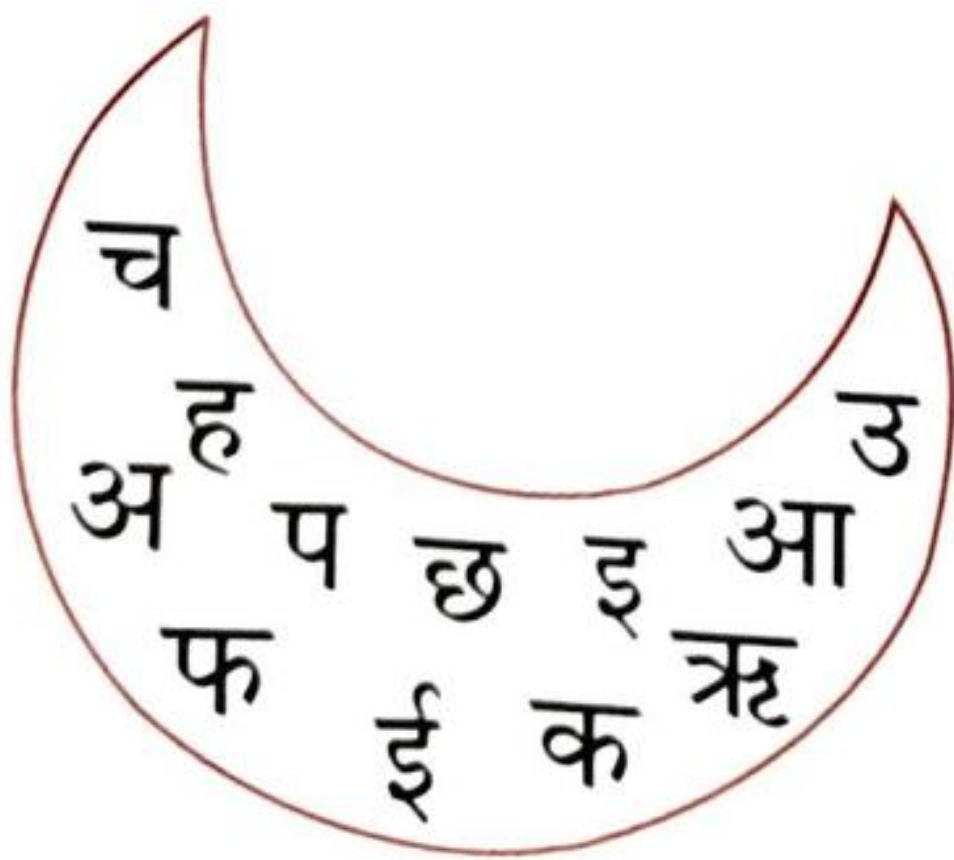
.....



पर

.....

3. चाँद में छिपे स्वरों तथा व्यंजनों को छाँटकर तारों में लिखिए-



4. फूलों को एक धागे में पिरोने से माला बन जाती है
और वर्णों को क्रम में लगाने से वर्णमाला बन जाती है।

अगर हम सब एक साथ मिलकर रहेंगे, तो क्या बन जाएँगे?

बलवान

कमज़ोर

धनवान

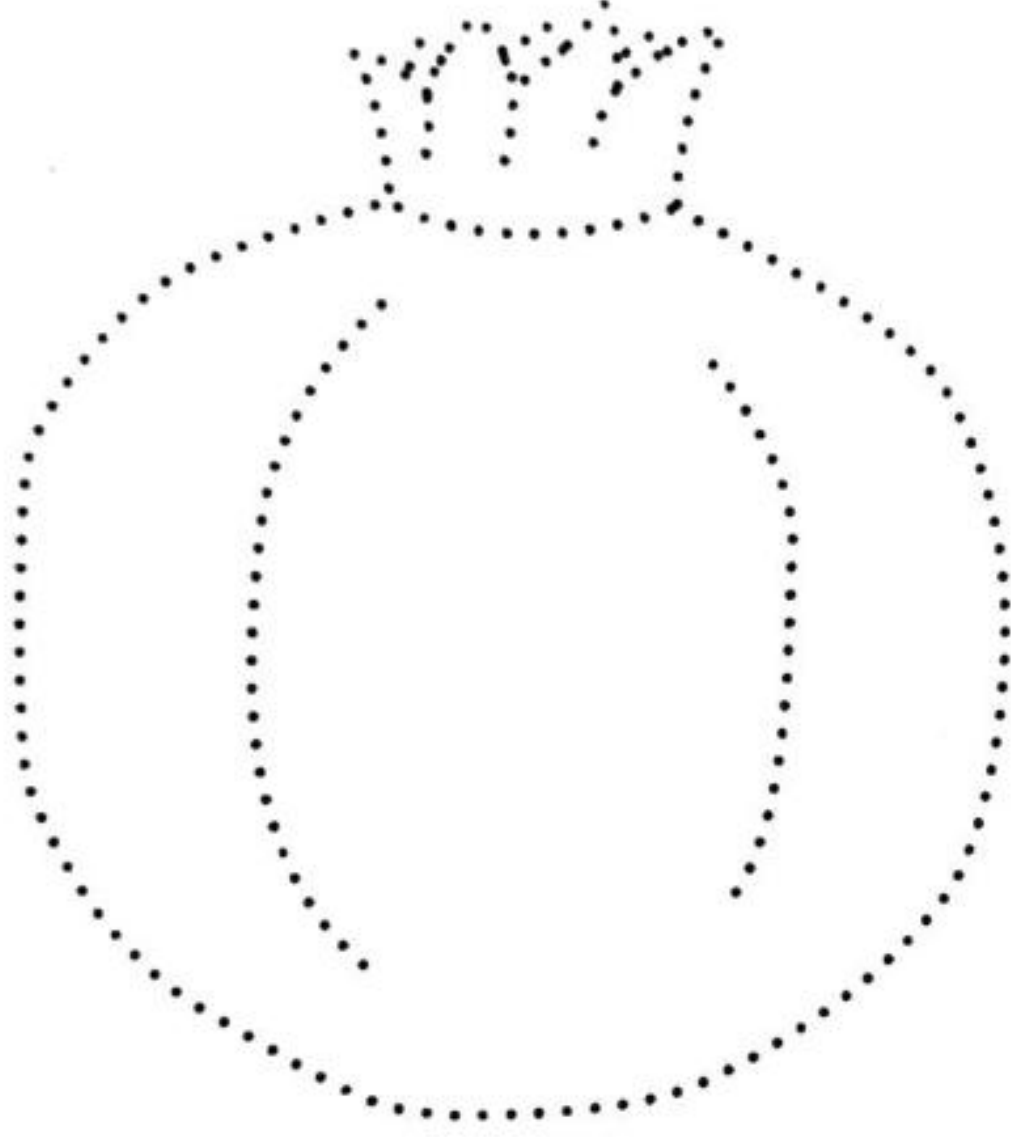
मूल्यपरक प्रश्न



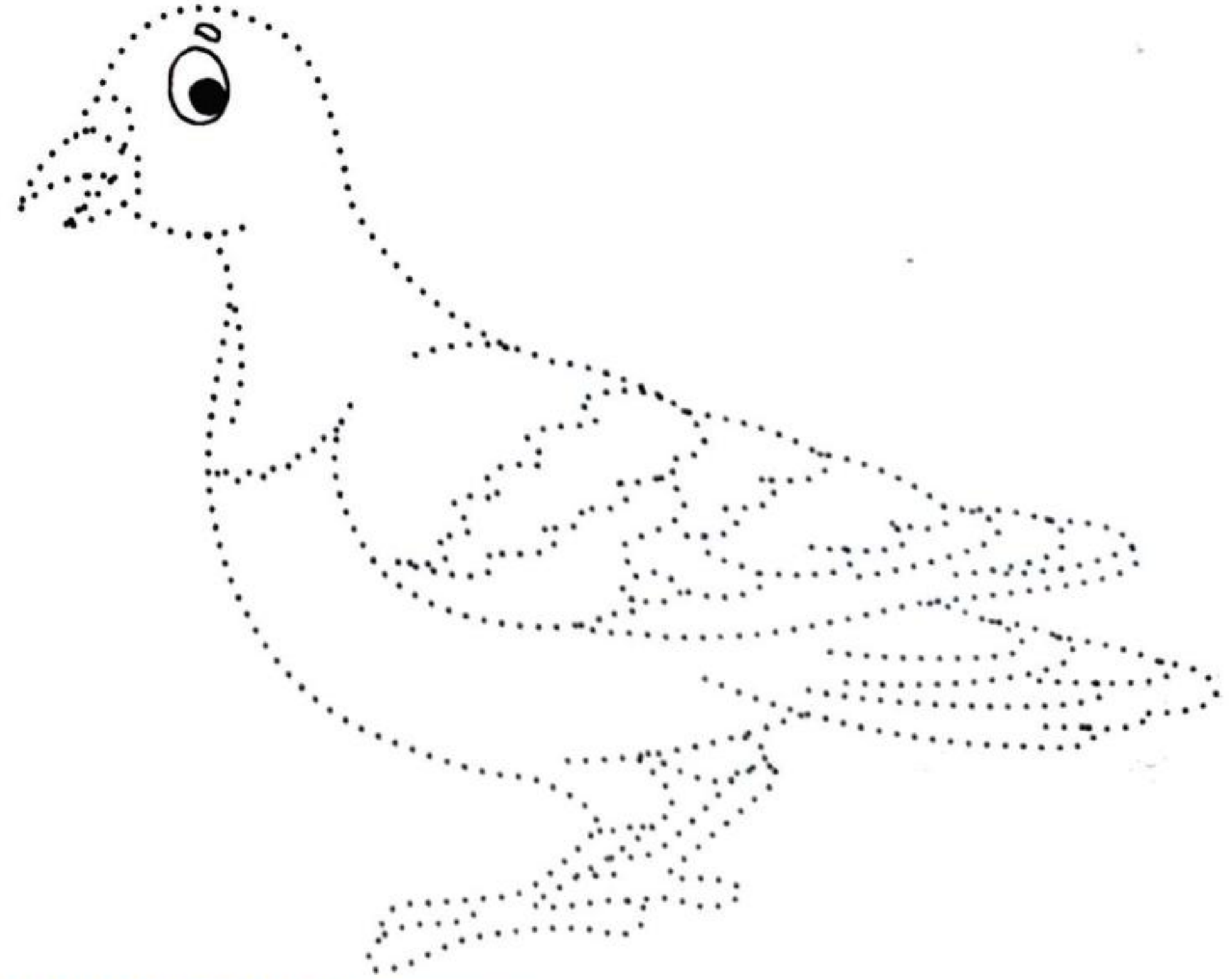
गतिविधि

रचनात्मक-लेखन (विचार, भाव, लिखावट)

- बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा कीजिए, उसमें रंग भरिए तथा उस चित्र का नाम लिखकर यह भी बताइए कि उसका नाम स्वर या व्यंजन से शुरू होता है?



नाम -



नाम -



मात्राएँ (Signs of Vowels)

हिंदी भाषा में स्वर जब किसी व्यंजन में मिलाकर लिखा जाता है, तो उसे एक विशेष चिह्न के रूप में लिखते हैं। स्वरों के यही चिह्न **मात्राएँ** कहलाती हैं। व्यंजनों में मात्राएँ लगाकर शब्द बनाए जाते हैं।

स्वर	मात्राएँ	व्यंजन + स्वर की मात्राएँ	शब्द
अ	कोई मात्रा नहीं	क् + - = क	कल
आ	।	क् + । = का	कार
इ	ि	क् + ि = कि	किताब
ई	ी	क् + ी = की	कील
उ	ु	क् + उ = कु	कुल
ऊ	ू	क् + ू = कू	कूलर
ऋ	ृ	क् + ृ = कृ	कृपा
ए	ै	क् + ै = के	केला
ऐ	ै	क् + ै = कै	कैसा
ओ	ो	क् + ो = को	कोयल
औ	ौ	क् + ौ = कौ	कौआ

विशेष

- हिंदी वर्णमाला के सभी व्यंजनों में 'अ' स्वर मिला होता है।
- र् के साथ उ और ऊ की मात्रा लगाने पर वे ऐसे लिखे जाते हैं—
 $र् + उ (उ) = रु = रुपया$ $र् + ू (ऊ) = रू = रूप$



☞ स्वरों की मात्राएँ होती हैं।

☞ स्वरों की मात्राएँ— क का कि की कु कू कृ के कै को कौ

अभ्यास



मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. 'कबूतर' शब्द के 'ब' में कौन-सी मात्रा लगी है?
2. ऐसे कोई पाँच शब्द बताइए जो 'क' वर्ण से शुरू होते हैं?



लिखित

कौशल-लेखन (व्याकरण, शब्दावली, लिखावट)

1. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—

(क) 'चाल' शब्द में कौन-सी मात्रा है?

आ की

उ की

इ की

(ख) 'कृष्णा' शब्द में कौन-कौन-सी मात्राएँ हैं?

ऋ और औ की

ऋ और आ की

ऋ और उ की

2. प्रत्येक मात्रा के लिए दो-दो शब्द लिखिए—

। चाल

गाल

लाल

८ घृत

.....

ि दिन

.....

२ सेब

.....

ी कील

.....

३ कैसी

.....

ु कुल

.....

१ शोर

.....

ू कूल

.....

१ कौन

.....

वर्णों की मदद से हम शब्द बना सकते हैं, लेकिन हमें यह ध्यान में रखना होगा कि शब्द वही होते हैं, जिनका कोई अर्थ (मतलब) होता है; जैसे—



गि + ला + स

गिलास (गिलास का अर्थ—पानी पीने का बरतन)

ला + स + गि

लासगि (लासगि का अर्थ—कुछ नहीं होता है।)



देखा बच्चो, **गिलास** का अर्थ है लेकिन **लासगि** का कोई अर्थ नहीं है।

ऊपर दिए गए उदाहरण को देखकर, अब आप अच्छी तरह समझ गए होंगे कि शब्द को लिखते समय वर्णों का सही जगह प्रयोग करना चाहिए। तभी वह सही शब्द कहलाएगा।

वर्णों के सही मेल से शब्द बनता है।

वाक्य

जिस तरह वर्णों के सही मेल से शब्द बनता है, उसी तरह शब्दों के सही मेल से वाक्य बनता है।

ध्यान दीजिए—

बच्चे, खाना, मिलकर, रहे हैं, खा।

अब इन शब्दों को मिलाकर लिखेंगे—

बच्चे खाना मिलकर रहे हैं खा।

यहाँ पर सभी शब्द सही हैं, लेकिन शब्दों का क्रम (जगह) सही नहीं है। इसलिए यह वाक्य गलत है।

अब इन शब्दों को सही जगह पर रखेंगे—

बच्चे मिलकर खाना खा रहे हैं।

हमने शब्दों को सही जगह पर रखकर लिखा है। अब यह सार्थक (अर्थ वाला) यानी सही वाक्य बना है।

हम ऐसे ही सार्थक (अर्थ वाले) वाक्यों का प्रयोग आपस की बातचीत में करते हैं और इन्हीं वाक्यों से भाषा भी बनती है।



आओ
पाठ
देहराएँ

कौशल-पठन (उच्चारण, अबोध-भाषण)

- 1. वर्णों के सही मेल से शब्द बनते हैं।
- 2. शब्दों के सही मेल से वाक्य बनते हैं।
- 3. वाक्यों के मेल से भाषा बनती है।

अभ्यास



मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. शब्द कैसे बनते हैं?
2. वाक्यों के सही मेल से क्या बनता है?



लिखित

कौशल-लेखन (व्याकरण, शब्दावली, लिखावट)

1. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—

(क) वर्णों के सही मेल से बनता है—

स्वर

शब्द

वाक्य

(ख) शब्दों के सही मेल से बनता है—

व्यंजन

शब्द

वाक्य

2. सही शब्द पर ✓ का निशान लगाइए-

लाताब	<input type="radio"/>	तालाब	<input checked="" type="radio"/>	ड़बर	<input type="radio"/>	रबड़	<input type="radio"/>
नमक	<input type="radio"/>	मकन	<input type="radio"/>	मटर	<input type="radio"/>	टमर	<input type="radio"/>
मेला	<input type="radio"/>	लामे	<input type="radio"/>	लमक	<input type="radio"/>	कमल	<input type="radio"/>
ताकिब	<input type="radio"/>	किताब	<input type="radio"/>	समोसा	<input type="radio"/>	मोससा	<input type="radio"/>

3. शब्दों को सही जगह पर लिखकर वाक्य बनाइए-

(क) खरगोश है तेज़ दौड़ता।

•• खरगोश तेज़ दौड़ता है। •••••

(ख) दोस्त नाम का मेरे है सुनील।

•••••

(ग) मेरे एक घर में है तोता।

•••••

(घ) बच्चे खेल मैदान में हैं रहे।

•••••

4. शब्दों को सही जगह पर रखने से सही वाक्य बनता है।  मूल्यपरक प्रश्न

अपने कमरे को सुंदर बनाने के लिए आप सभी चीज़ों को कैसे रखेंगे?

सभी चीज़ों को कहीं पर भी रख देंगे।

सभी चीज़ों को सही जगह पर रखेंगे।

सभी चीज़ों को बाहर रखेंगे।



गतिविधि

रचनात्मक-लेखन (विचार, भाव, लिखावट)

- आओ बच्चो, तितली के साथ मिलकर आखिरी अक्षर से नए-नए शब्द बनाएँ -





संज्ञा (Noun)

नीचे दिए गए पार्क के चित्र को ध्यान से देखिए। आपको इसमें क्या-क्या दिखाई दे रहा है—



आपने देखा कि इस पार्क में बहुत कुछ दिखाई दे रहा है और सभी के कोई-न-कोई नाम हैं; जैसे—तितली, नीता, फूल, पेड़, मोहन, फुटबॉल आदि। ऐसे नामों को ही **संज्ञा** कहते हैं।

नाम वाले सभी शब्द संज्ञा कहलाते हैं।

नाम कई तरह के होते हैं; जैसे—

व्यक्तियों के नाम—



भगत सिंह



महेंद्र सिंह धोनी



करीना कपूर

पशु-पक्षियों के नाम-



शेर



कबूतर

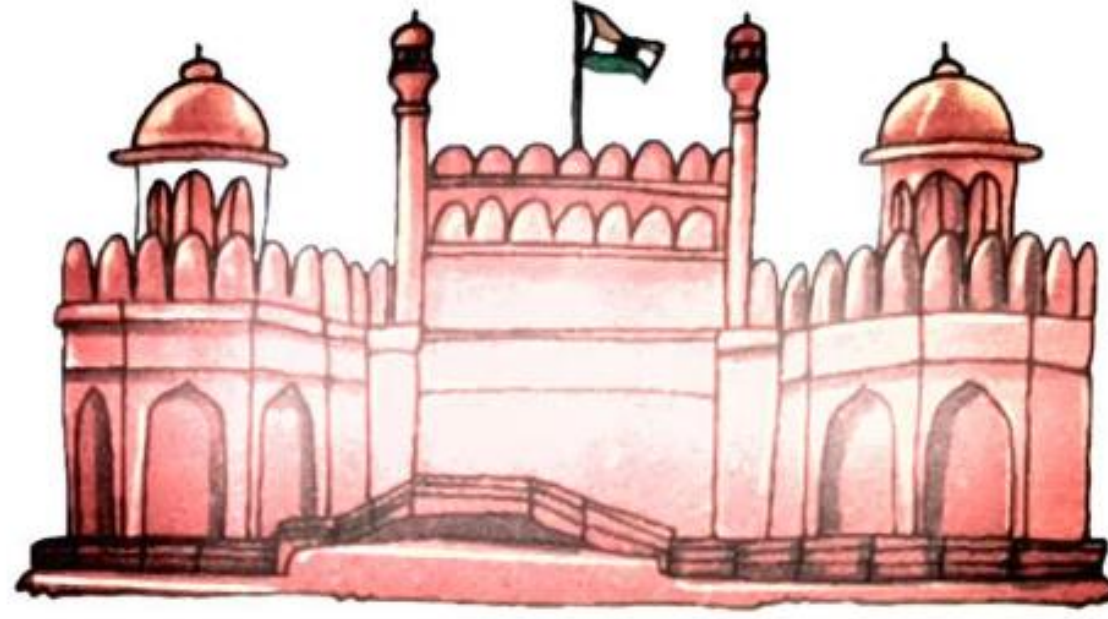


हाथी

जगहों के नाम-



चिड़ियाघर



लाल किला

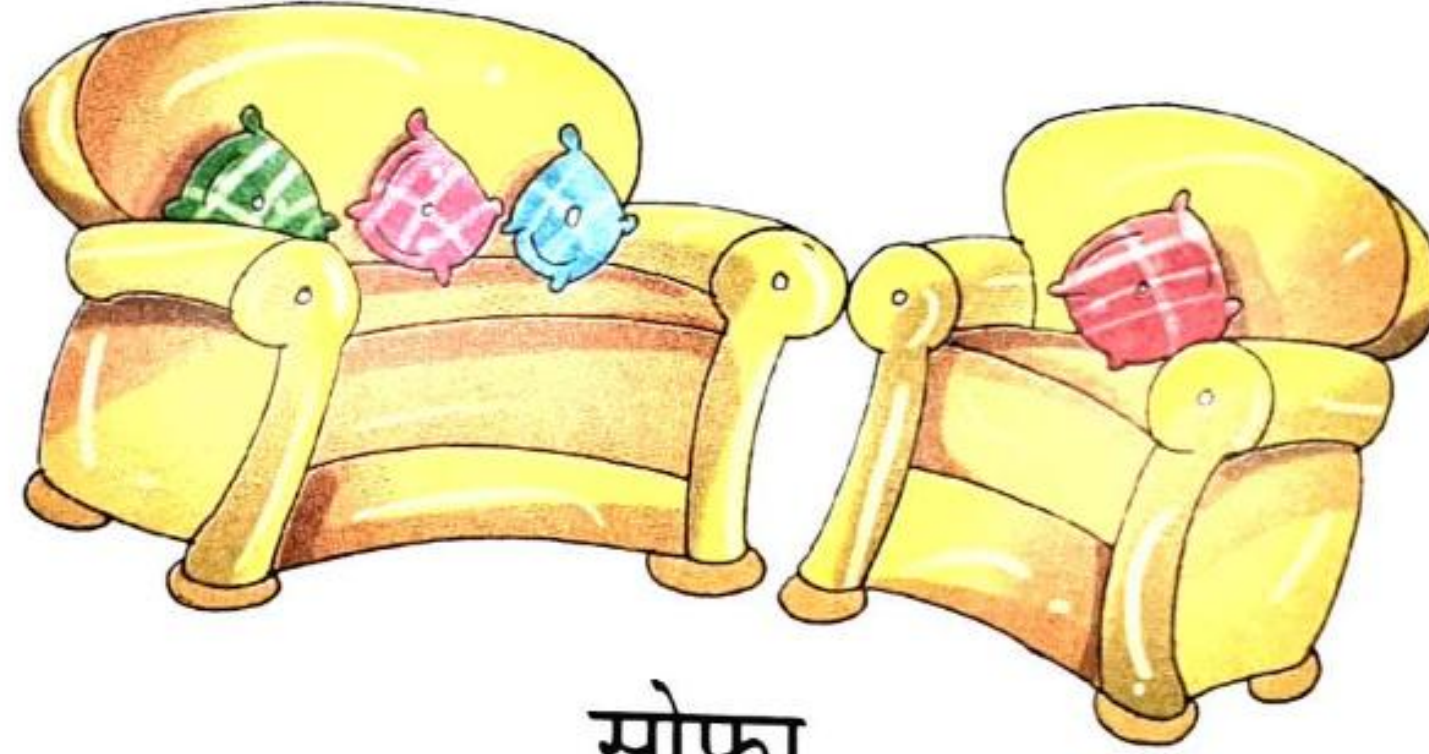


घर

चीजों के नाम-



घड़ी



सोफ़ा



कार

इनके अलावा भी कुछ नाम हैं, जो **संज्ञा** कहलाते हैं-

दिनों के नाम - सोमवार, मंगलवार, बुधवार, वीरवार, शुक्रवार, शनिवार, रविवार।

महीनों के नाम - जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर।

नदियों के नाम - गंगा, यमुना, कावेरी आदि।

पहाड़ों के नाम - हिमालय, अरावली आदि।

सबका नाम जो बतलाए, संज्ञा शनी वह कहलाए।



क्षात्रो दोहराएँ पाठ

कौशल-पठन (उच्चारण, अबोध-भाषण)

- ☞ सभी का कोई-न-कोई नाम होता है।
- ☞ नाम वाले सभी शब्दों को संज्ञा कहते हैं।
- ☞ नाम कई तरह के होते हैं; जैसे- व्यक्तियों, पशु-पक्षियों, जगहों, महीनों, फूलों आदि के नाम।

अभ्यास



मौखिक

कौशल-बोलना (बोध, संवाद)

1. आपके कमरे में जो-जो चीजें हैं, उनके नाम बताइए।
2. आसमान में आपको क्या-क्या दिखाई देता है? उनके नाम बताइए।
3. जंगल के राजा का नाम बताइए।



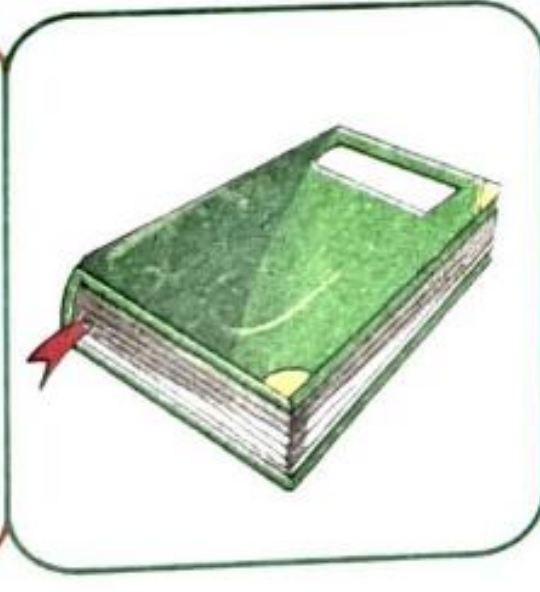
लिखित

कौशल-लेखन (व्याकरण, शब्दावली, लिखावट)

1. दिए गए व्यक्तियों, चीजों तथा जगहों के नाम को अलग-अलग करके लिखिए-



गाँधी जी



किताब



दिल्ली



खिलौने



गरिमा



घर

व्यक्तियों के नाम

चीजों के नाम

जगहों के नाम

2. सही शब्द पर ✓ का निशान लगाइए-

व्यक्ति का नाम- हाथी भालू राम
फल का नाम- आम आलू मटर
चीज़ का नाम- कुरसी रमा कबूतर

3. खाली जगह में सही संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए-

टोपी, आम, शेर, पेंसिल, गुलाब

- (क) मैंने चिड़ियाघर में देखा।
(ख) मुझे का फूल अच्छा लगता है।
(ग) राहुल ने लाल पहनी है।
(घ) मेरे पास लाल रंग की है।
(ङ) फलों का राजा है।

4. सचिन तेंदुलकर और शाहरूख खान के नाम को सभी जानते हैं। आप कैसे काम करेंगे कि आपके नाम को भी सब जानें?
अच्छे-अच्छे काम करेंगे। बुरे काम करेंगे।



गतिविधि

रचनात्मक-लेखन (विचार, भाव, लिखावट)

- आप कार्टून तो ज़रूर देखते होंगे। दिए गए कार्टून के नाम बताइए और इनमें से आपको सबसे अच्छा कौन लगता है तथा क्यों?

